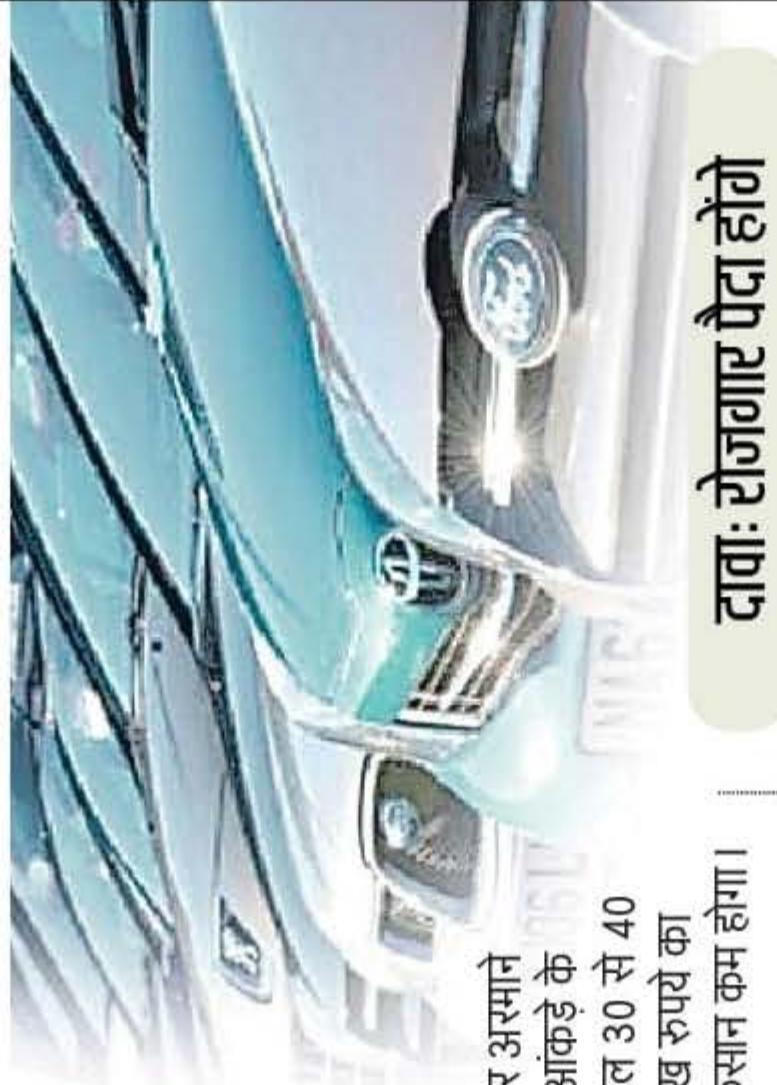


प्रदूषण काढ़ा दो जीति

नई स्कैप (कबाड़) नीति के लागू होने के साथ सड़क पर वही गाड़ियां एप्टाइ भेदेगी, जो पिट होंगी। वही, स्कैप सारिंफिकेट वालों को ही नई गाड़ी की खरीद पर छूट मिलेगी। साथ ही साथ इस नीति के लागू होने से शहर की हवा भी सुधरेगी। सड़कों पर होने वाली दुर्घटना भी कम होंगी। आइए जानते हैं कि क्यों इसकी जल्दत पड़ी और वहा होंगे प्राप्ति।



वर्षों पड़ी जल्दत

1988 बैच के आध प्रदेश काड़ के विरिष्ट आईएएस अफसर और संडक परिवहन मंत्रालय के सचिव गिरिधर अरमान ने इस नीति के कई फायदे गिनाए। उन्होंने कहा, एक आंकड़े के मुताबिक, पुरानी कार चलाने पर एक व्यक्ति को हर साल 30 से 40 हजार तो एक टक मालिक को सालाना, दो से तीन लाख रुपये का नुकसान होता है। स्कैपिंग पॉलिसी से यह आर्थिक नुकसान कम होगा।

15 साल बाद कबाड़ घोषित हो सकेरा कमशियल गाड़ी

20 साल बाद निझी गाड़ी को कबाड़ घोषित किया जा सकेगा

02 करोड़ से ज्यादा वाहनों का पंजीकरण 2005 से पहले का है

40 हजार रुपये सालाना का नुकसान होता है पुरानी कार चलाने से

गाड़ी 20 साल पुण्यानी है तो वहा करना होगा

- गाड़ी मालिक को ऐसे वाहनों को रजिस्टर्ड हीफल स्कैपिंग फेसिलिटी को सौंपना होगा
- साथ में वाहन का रजिस्ट्रेशन, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज देना होगा
- इसके बाद स्कैप करने वाली एंसी चोरी के वाहनों के रिकॉर्ड से गाड़ी का मिलान करेगी
- इसके बाद सार्टिफिकेट ऑफ डिपोजिट जारी होगा। इसे दिखाकर आप नए वाहन पर छूट पा सकेंगे

नए वाहन खरीदने पर छूट मिलेगी

दावा: दोजगार पैदा होंगे

- स्कैप सार्टिफिकेट को शो-रूम पर दिखाने पर नए वाहन पर 5% तक की छूट मिलेगी
- नए वाहन की रजिस्ट्रेशन फीस को माफ हो जाएगी
- राज्य सरकार ऐसी गाडियों पर रोड टैक्स में भी छूट देगी

छताएजाक हैं पुण्यानी गाड़ियां

नए वाहनों में कहीं ज्यादा सुरक्षा मानकों का पालन होता है। नए वाहनों से होने वाले एपरबैग आदि नहीं होते। जिससे ऐसे वाहनों में सफर जानलेवा होता है

2

15 से 20 साल पुराने वाहनों में सीट बेल्ट और एपरबैग आदि नहीं होते।

जिससे ऐसे वाहनों में

सफर जानलेवा होता है